राष्ट्रपति
भारत गणतंत्र
PRESIDENT
REPUBLIC OF INDIA

संदेश

शिक्षक दिवस के अवसर पर, मुझे देशभर के शिक्षकों को अपनी बधाई और शुभकामनाएं देते हुए बहुत प्रसन्नता हो रही है।

शिक्षकों को अपने विद्यार्थियों के लिए मित्र, दार्शनिक और पथ-प्रदर्शक होना चाहिए। वह ऐसे दीपकों के समान होते हैं जो दूसरों को प्रकाश देने के लिए प्रकाश पुंज की तरह जलते हैं। हम भारतीय एक ऐसी पावन परंपरा के उत्तराधिकारी हैं जिसमें हमारे गुरुओं, संतों और मनीषियों ने नि:स्वार्थ भाव से हमारे मस्तिष्कों को पोषित किया है और हमारे चिंतन को संवारा है।

हमारे समाज को और विशेषकर विद्यार्थियों को शिक्षकों के प्रति परम सम्मान और श्रद्धा रखनी चाहिए। शिक्षकों को भी अपने विद्यार्थियों की भलाई के प्रति स्वयं को समर्पित करना चाहिए तथा ज्ञान और अनिवार्य सभ्यतागत मूल्यों को अर्जित करने में हमारे युवाओं की मदद करनी चाहिए।

इस अवसर पर, मैं हमारे देश के सम्पूर्ण शिक्षक समुदाय को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं और हमारे राष्ट्र को असीम योगदान के लिए उनको धन्यवाद देता हूं।

प्रणव मुखर्जी.

(प्रणब मुखर्जी)

नई दिल्ली
14 अगस्त, 2014

राष्ट्रपति
भारत गणतंत्र
PRESIDENT
REPUBLIC OF INDIA

MESSAGE

On the occasion of Teachers' Day, I have great pleasure in extending my greetings and felicitations to teachers throughout the country.

Teachers must be friends, philosophers and guiding lights to their students. They are like candles, who burn brightly to enlighten others. We, in India, are inheritors of a sacred tradition in which our gurus, saints and seers have selflessly nurtured our minds and shaped our intellect.

Our society at large and in particular, students should show utmost respect and devotion to teachers. Teachers in turn must dedicate themselves to the service of their students and help our youth imbibe knowledge as well as essential civilizational values.

On this occasion, I extend my warm greetings to the entire teaching community of our country and thank them for their immense contribution to our nation.

(Pranab Mukherjee)

New Delhi
August 14, 2014